जन एक्सप्रेस

/janexpresslive

लखनऊ, गुरुवार, 15 जुलाई, 2021, वर्ष : 12, अंक : 270, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

धान बीज प्रजाति पायनियर 27 पी 37 किसानों में की गई वितरित

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह एवं निदेशक शोध डॉ. हरज्ञान प्रकाश के निर्देशन में चल रही अखिल भारतीय समन्वित शोध योजना एकीकृत कृषि प्रणाली के अंतर्गत प्रयोग संख्या एक के लिए धान बीज प्रजाति पायनियर 27 पी 37 को किसानों में वितरण किया गया था। यह योजना एकीकृत कृषि प्रणाली के अंतर्गत ओएचआर केंद्र थरियांव के चयनित ब्लॉक मलवा व विजयीपुर के 6 ग्रामों में चल रही है। किसानों द्वारा इस धान बीज की तैयार की गई पौध की रोपाई का कार्य चयनित गांव में संपन्न कराया गया। सीएसएयू के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. करम हुसैन एवं मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एन.सुनील पांडे और डॉ. सुधीर प्रताप सिंह ने किसानों के खेत पर जाकर धान की खेती की तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने किसानों को बताया कि धान रोपाई करने के बाद खेत से पानी निकाल दें क्योंकि खेत में पानी भरा रहने से अधिक तापमान होने के कारण धान की पौध की जड़ें सड़ सकती है। उन्होंने कहा कि धान की अच्छी उपज लेने के लिए 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश आवश्यक है उन्होंने खैरा रोग के बचाव के लिए जिंक सल्फेट प्रयोग करने की सलाह दी।

लखनऊ संस्करण
वर्ष-05, अंक - 259
गुरुवार, 15 जुलाई, 2021
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु*
लखनऊ,मेरठ, झांसी और देहरादून से प्रकाशित

दैनिक भास्कर
देश का सबसे विश्वसनीय अखबार
For epaper → www.updainikbhaskar.com

वैज्ञानिकों ने खेत पर पहुंचकर बताई धान की वैज्ञानिक विधा

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह एवं निदेशक शोध डॉ. हरज्ञान प्रकाश के निर्देशन में अखिल भारतीय समन्वित शोध योजना एकीकृत कृषि प्रणाली के अंतर्गत ओएचआर केंद्र थरियांव के चयनित ब्लॉक मलवा व विजयीपुर के 6 ग्रामों में चल रही है।

योजना के अंतर्गत प्रयोग संख्या एक के लिए धान बीज प्रजाति पायनियर 27 p 37 को किसानों में वितरण किया गया था। किसानों ने उसकी पौध तैयार की थी।उसके रोपाई का कार्य चयनित गांव में संपन्न कराया गया। धान की खेती कैसे करें इसके बारे में तकनीकी जानकारी चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के डॉ करम हुसैन वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं मौसम विज्ञानिक डॉक्टर एसएन सुनील पांडे एवं डॉक्टर सुधीर प्रताप सिंह द्वारा किसानों को दी गई। और उनको रोपाई कैसे करी जाए इसके बारे में उनके खेत में जाकर रोपाई कराई गई। वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी कि धान रोपाई करने के बाद खेत से पानी निकाल दें क्योंकि खेत में पानी भरा रहने से अधिक तापमान होने के कारण धान की पौध की जड़ें सड़ सकती हैं जिससे आर्थिक नुकसान हो सकता है।

111 (1).pdf

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक
वर्ष : 6, अंक : 101 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, दुलहार
15 जुलाई, 2021
मूल्य ₹ 2.00

सीएसए के वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर पहुंचकर बताई धान की वैज्ञानिक विधा

शाश्वत टाइम्स

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह एवं निदेशक शोध डॉ हरज्ञान प्रकाश के निर्देशन में अखिल भारतीय समन्वित शोध योजना एकीकृत कृषि प्रणाली के अंतर्गत ओएचआर केंद्र थरियांव के चयनित ब्लॉक मलवा व विजयीपुर के 6 ग्रामों में चल रही है।योजना के अंतर्गत प्रयोग संख्या एक के लिए धान बीज प्रजाति पायनियर 27 श्र 37 को किसानों में वितरण किया गया था। किसानों ने उसकी पौध तैयार की थी।उसके रोपाई का कार्य चयनित गांव में संपन्न कराया गया। धान की खेती कैसे करें इसके बारे में तकनीकी जानकारी चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के डॉ करम हुसैन वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं मौसम विज्ञानिक डॉक्टर एसएन सुनील पांडे एवं डॉक्टर सुधीर प्रताप सिंह द्वारा किसानों को दी गई।और उनको रोपाई कैसे करी जाए इसके बारे में उनके खेत में जाकर रोपाई कराई गई। वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी कि धान रोपाई करने के बाद खेत से पानी निकाल दें क्योंकि खेत में पानी भरा रहने से अधिक तापमान होने के कारण धान की पौध की जड़ें सड़ सकती हैं जिससे आर्थिक नुकसान हो सकता है। साथ ही खेत पर ही किसानों को सलाह दी कि धान की अच्छी उपज लेने के लिए 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश आवश्यक है। उन्होंने धान में खैरा रोग के बचाव के लिए जिंक सल्फेट प्रयोग करने की सलाह दी। तथा धान की फसल को कीट एवं रोगों से बचाव के लिए समय-समय पर व्हाट्सएप के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेते रहें।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 | अंक:195 | देहरादून, बुधवार, 14 जुलाई, 2021 | पृष्ठ:08

सीएसए के वैज्ञानिकों ने किसानों को दिया धान का वैज्ञानिक ज्ञान

अनिल मिश्रा (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह एवं निदेशक शोध डॉ हर ज्ञान प्रकाश के निर्देशन में अखिल भारतीय समन्वित शोध योजना एकीकृत कृषि प्रणाली के अंतर्गत ओएचआर केंद्र थरियांव के चयनित ब्लॉक मलवा व विजयीपुर के 6 ग्रामों में चल रही है।

योजना के अंतर्गत प्रयोग संख्या एक के लिए धान बीज प्रजाति पायनियर 27 पी 37 को किसानों में वितरण किया गया था किसानों ने उसकी पौध तैयार की थी उसके रोपाई का कार्य चयनित गांव में संपन्न कराया गया धान की खेती कैसे करें इसके बारे में तकनीकी जानकारी चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के डॉ करम हुसैन वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर एसएन सुनील पांडे एवं डॉक्टर सुधीर प्रताप सिंह द्वारा किसानों को दी गई और उनको रोपाई कैसे करी जाए इसके बारे में उनके खेत में जाकर रोपाई कराई गई वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी कि धान रोपाई करने के बाद खेत से पानी निकाल दें क्योंकि खेत में पानी भरा रहने से अधिक तापमान होने के कारण धान की पौध की जड़ें सड़ सकती हैं जिससे आर्थिक नुकसान हो सकता है साथ ही खेत पर ही किसानों को सलाह दी कि धान की अच्छी उपज लेने के लिए 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश आवश्यक है उन्होंने धान में खैरा रोग के बचाव के लिए जिंक सल्फेट प्रयोग करने की सलाह दी तथा धान की फसल को कीट एवं रोगों से बचाव के लिए समय–समय पर व्हाट्सएप के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेते रहें।

www.facebook.com/worldkhabaarexpress www.twitter.com/worldkhabaarexpress www.youtube.com/worldkhabaarexpress

WORLD ख़बर EXPRESS

WORLD ख़बर एक्सप्रेस

14 जुलाई 2021, बुधवार www.worldkhabarexpress.media MID DAY E-PAPER www.worldkhabarexp

खेत पर पहुंचकर बताई धान की वैज्ञानिक तकनीक

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय समन्वित शोध योजना एकीकृत कृषि प्रणाली के अंतर्गत ओएचआर केंद्र, थरियांव के चयनित ब्लॉक मलवा व विजयीपुर के 6 गांवों में चल रही है। योजना के अंतर्गत प्रयोग संख्या एक के लिए धान बीज प्रजाति पायनियर 27 पी 37 को किसानों में वितरण किया गया था। किसानों ने उसकी पौध तैयार की थी। उसके रोपाई का कार्य चयनित गांव में संपन्न कराया गया। धान की खेती कैसे करें, इसके बारे में तकनीकी जानकारी सीएसए के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. करम हुसैन और मौसम विज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडे, डॉ. सुधीर प्रताप सिंह ने किसानों को दी और उनको रोपाई कैसे की जाएं, इसके बारे में उनके खेत में जाकर

रोपाई कराई गई। वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी कि धान रोपाई करने के बाद खेत से पानी निकाल दें क्योंकि खेत में पानी भरा रहने से अधिक तापमान होने के कारण धान की पौध की जड़ें सड़ सकती हैं जिससे आर्थिक नुकसान हो सकता है। साथ ही खेत पर ही किसानों को सलाह दी कि धान की अच्छी उपज लेने के लिए 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश आवश्यक है। उन्होंने धान में खैरा रोग के बचाव के लिए जिंक सल्फेट प्रयोग करने की सलाह दी। धान की फसल को कीट और रोगों से बचाव के लिए समय-समय पर व्हॉट्सएप के जरिए कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेते रहें।

हिन्दुस्तान | 06
कानपुर • गुरुवार • 15 जुलाई 2021

खेतों में पहुंचे वैज्ञानिक, दी उन्नत फसल की सलाह

कानपुर। वैज्ञानिक अब एसी कमरे में बैठकर सिर्फ संगोष्ठी में उन्नत फसल की जानकारी नहीं देंगे बल्कि, वे खुद खेतों में जाएंगे और किसानों को बुआई के साथ अन्य जरूरी टिप्स देंगे। इसकी शुरुआत सीएसए के वैज्ञानिकों ने कर दी है। बुधवार को वैज्ञानिकों की टीम मलवा व विजयीपुर ब्लॉक पहुंची। सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह व शोध निदेशक डॉ. एचजी प्रकाश के निर्देशन में वैज्ञानिकों की टीम गांव-गांव नहीं बल्कि खेत-खेत पहुंचकर किसानों को जानकारी दे रही है।